



भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - 9	विषय – हिंदी (पाठ्यक्रम-ब) पाठ्यपुस्तक – गंगा	Date – 13.10.26
प्रश्न बैंक	पाठ: रीढ़ की हड्डी लेखक - जगदीशचंद्र माथुर	Note: Pl. file in portfolio

नाम : _____ अनुभाग : _____ अनुक्रमांक : _____ दिनांक: _____

प्रश्नों के उत्तर 35-40 शब्दों में दीजिए-

प्रश्न 1. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: इस एकांकी का मुख्य उद्देश्य समाज की रूढ़िवादी सोच, स्त्री-शिक्षा के विरोध और विवाह में लड़कियों को वस्तु समझने की मानसिकता पर चोट करना है। लेखक ने उमा के माध्यम से आत्मसम्मान और समानता का संदेश दिया है।

प्रश्न 2. रामस्वरूप अपनी बेटी उमा की शादी को लेकर चिंतित क्यों थे?

उत्तर: रामस्वरूप चाहते थे कि उमा की शादी गोपालप्रसाद के बेटे शंकर से हो जाए। वे जानते थे कि गोपालप्रसाद अधिक पढ़ी-लिखी लड़की नहीं चाहते। इसलिए रामस्वरूप उमा की शिक्षा की सच्चाई छिपाने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 3. गोपालप्रसाद लड़कियों की उच्च शिक्षा के विरोधी क्यों थे?

उत्तर: गोपालप्रसाद का मानना था कि उच्च शिक्षा केवल लड़कों के लिए आवश्यक है। वे चाहते थे कि लड़कियाँ घर सँभालें और अधिक पढ़-लिखकर स्वतंत्र विचार न अपनाएँ। उनकी सोच स्त्री-पुरुष की असमानता और रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाती है।

प्रश्न 4. उमा के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर: उमा शिक्षित, आत्मविश्वासी, साहसी और स्वाभिमानी लड़की है। वह अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाती है और अपनी शिक्षा पर गर्व करती है। वह लड़कियों को वस्तु समझने वाली सोच का विरोध करके अपनी स्वतंत्र पहचान प्रस्तुत करती है।

प्रश्न 5. उमा ने गोपालप्रसाद और शंकर का विरोध क्यों किया?

उत्तर: गोपालप्रसाद उमा को एक वस्तु की तरह परख रहे थे और उसकी शिक्षा को सीमित रखना चाहते थे। शंकर भी इस सोच का समर्थन करता था। इसलिए उमा ने उनके दोहरे व्यवहार और गलत मानसिकता का विरोध किया।

प्रश्न 6. रामस्वरूप के व्यवहार में कौन-सा विरोधाभास दिखाई देता है?

उत्तर: रामस्वरूप पढ़े-लिखे और आधुनिक दिखाई देना चाहते हैं, लेकिन बेटी की शादी के लिए उसकी शिक्षा छिपाने को तैयार हो जाते हैं। वे रूढ़िवादी लोगों का विरोध करते हुए भी सामाजिक दबाव के कारण उनके सामने झुक जाते हैं।

प्रश्न 7. 'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक का क्या अर्थ है?

उत्तर: इस एकांकी में रीढ़ की हड्डी आत्मसम्मान, साहस और नैतिक दृढ़ता का प्रतीक है। उमा में ये गुण हैं, जबकि शंकर अन्यायपूर्ण सोच का विरोध करने का साहस नहीं दिखाता। शीर्षक व्यक्ति के मज़बूत चरित्र की ओर संकेत करता है।

प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए-

प्रश्न 1. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में विवाह-व्यवस्था की किन बुराइयों को दिखाया गया है?

उत्तर: इस एकांकी में विवाह-व्यवस्था की कई बुराइयों को दिखाया गया है। लड़कियों को देखने और परखने की वस्तु समझा जाता है। उनकी शिक्षा और विचारों को महत्व नहीं दिया जाता। लड़के का पिता गोपालप्रसाद कम पढ़ी-लिखी लड़की चाहता है। लेखक ने ऐसी मानसिकता पर व्यंग्य किया है और विवाह में लड़कियों के सम्मान तथा समान अधिकारों का समर्थन किया है।

प्रश्न 2. उमा ने स्वयं को कुर्सी-मेज़ से तुलना करके क्या समझाना चाहा?

उत्तर: उमा ने कहा कि जब कुर्सी-मेज़ बिकती है, तब दुकानदार खरीदार को वस्तु दिखाता है और खरीदार उसे पसंद या नापसंद करता है। इसी प्रकार गोपालप्रसाद भी उसे परख रहे थे। उमा इस तुलना से बताना चाहती थी कि लड़की कोई वस्तु नहीं, बल्कि भावनाओं और आत्मसम्मान वाली इंसान है। उसे भी अपनी पसंद और विचार व्यक्त करने का अधिकार है।

प्रश्न 3. गोपालप्रसाद और शंकर की सोच लड़कियों के प्रति कैसी थी?

उत्तर: गोपालप्रसाद और शंकर दोनों लड़कियों की उच्च शिक्षा के महत्व को स्वीकार नहीं करते थे। गोपालप्रसाद चाहते थे कि बहू अधिक पढ़ी-लिखी न हो और घर सँभाले। शंकर भी कहता है कि लड़की को नौकरी नहीं करनी है। उनकी सोच से पता चलता है कि वे लड़कियों को लड़कों के समान अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे।

प्रश्न 4. उमा ने शंकर के चरित्र की कमज़ोरी किस प्रकार उजागर की?

उत्तर: उमा ने बताया कि शंकर पिछले फरवरी माह में लड़कियों के छात्रावास के आसपास घूम रहा था और वहाँ से भगाया गया था। उसने शंकर के इस व्यवहार को कायरता बताया। उमा के अनुसार, शंकर में ग़लत काम का सामना करने का साहस नहीं था। इसलिए उसने उसके चरित्र की कमज़ोरी उजागर करते हुए उसकी नैतिक दृढ़ता पर प्रश्न उठाया।

प्रश्न 5. इस एकांकी में स्त्री-शिक्षा का क्या महत्व बताया गया है?

उत्तर: इस एकांकी में स्त्री-शिक्षा को आत्मविश्वास, स्वतंत्र विचार और आत्मसम्मान का आधार बताया गया है। उमा बी.ए. पास है और अपने अधिकारों के लिए निर्भय होकर बोलती है। वह ग़लत सामाजिक मान्यताओं का विरोध करती है। उसके माध्यम से लेखक समझाते हैं कि लड़कियों को भी लड़कों के समान शिक्षा और अवसर मिलने चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

प्रश्न 6. एकांकी के अंत में उमा द्वारा शंकर को 'रीढ़ की हड्डी' के बारे में कहना क्यों उचित है?

उत्तर: उमा शंकर को 'रीढ़ की हड्डी' के बारे में कहकर उसके साहस और चरित्र पर व्यंग्य करती है। शंकर अपने पिता की ग़लत सोच का विरोध नहीं करता और स्वयं भी अनुचित व्यवहार करता है। उमा उसे आत्मसम्मान तथा नैतिक साहस की कमी का एहसास कराती है। इस प्रकार शीर्षक का वास्तविक अर्थ अंत में स्पष्ट हो जाता है।